

बृहदारण्यकोपनिषद्

द्वितीयाध्यायेर चतुर्थब्रान्कण

(चतुर्थ अध्यायेर चतुर्थ ओ पञ्चम ब्रान्कण)

[डूमिका, मूल, शब्दार्थप्रपञ्च, बांग्ला अनुवाद, इंग्लेजि अनुवाद,
शङ्करभाष्य, शङ्करभाष्यभावार्थ, टीका, विवृति ओ तट्टनिर्णय।।]

अध्यापक करुणसिन्धु दास

अध्यापक बेचाराम घोष

अध्यापक सुबुद्धिचरण गौस्वामी

कर्तृक सम्पादित

अध्यापक चन्दन भट्टाचार्य

विभागीय प्रधान, संस्कृत विभाग

गौड़बङ्ग विश्वविद्यालय

कर्तृक परिवर्धित संस्करण



संस्कृत बुक डिपो

२८/१, विधान सरणी

कलकता-१०० ००७

বিষয়সূচী

	পৃষ্ঠা
শান্তিপাঠ—	(i)
দ্বিতীয় সংস্করণের নিবেদন—	(ii)
সম্পাদনা প্রসঙ্গে অধ্যাপক ডঃ কৃষ্ণগোপাল গোস্বামীর আশীর্বচন—	(iii-v)
ভূমিকা—	(vi-xxi)
দ্বিতীয়াধ্যায়ে চতুর্থব্রাহ্মণ—	১-৬০
চতুর্থ অধ্যায়ের চতুর্থব্রাহ্মণ—	১-১৩০
চতুর্থ অধ্যায়ের পঞ্চমব্রাহ্মণ—	১৩১-২১০
তত্ত্বনির্ণয়—	২১১-২২৪
জীবের উৎক্রান্তি, সন্ন্যাস, ব্রহ্মজ্ঞানের প্রণালী, আত্মার স্বরূপ পরিশিষ্ট—	
ক. উদ্ধতিপঞ্জী	২২৫-২৩২
খ. শব্দপঞ্জী	২৩৩-২৪১
গ্রন্থপঞ্জী	২৪২
পরিশিষ্ট—১	(i-viii)